RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
फरवरी
05
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

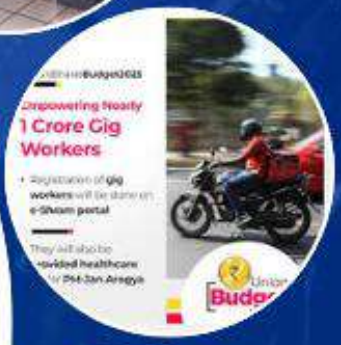

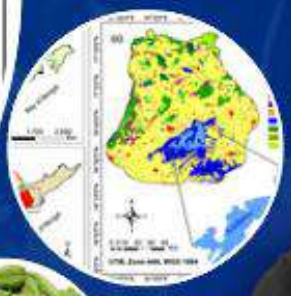

By Ankit Avasthi Sir

पड़ोसी प्रथम नीति / Neighbourhood First Policy

संदर्भ:

केंद्रीय बजट 2025 में विदेश मंत्रालय को 20,516 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें **'पड़ोसी प्रथम नीति' (Neighbourhood First Policy)** पर विशेष जोर दिया गया है।

पड़ोसी प्रथम नीति (Neighbourhood First Policy - NFP):

1. **परिचय:**
   - भारत की **पड़ोसी प्रथम नीति** उसके **आसपास के देशों के साथ संबंधों के प्रबंधन** का मार्गदर्शन करती है।
   - **2008 में औपचारिक रूप से लागू हुई।**
   - **सम्बंधित देश:** अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका।
2. **उद्देश्य:**
   - **भौतिक, डिजिटल और जन-जन संपर्क** को बढ़ावा देना।
   - **व्यापार और वाणिज्य को मजबूत करना।**
3. **मुख्य फोकस:**
   - **स्थिरता और समृद्धि** के लिए **लोगों के अनुकूल, पारस्परिक लाभकारी क्षेत्रीय ढांचे** का निर्माण।
   - **सम्मान (Samman), संवाद (Samvad), शांति (Shanti) और समृद्धि (Samriddhi)** के सिद्धांतों के आधार पर परामर्शी, गैर-पारस्परिक और परिणाम-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाना।
   - सरकार की सभी संबंधित शाखाओं में **नीति को संस्थागत प्राथमिकता** के रूप में विकसित करना।

2025-26 के MEA बजट में प्रमुख आवंटन:

1. पड़ोसी प्रथम नीति (NFP) पर जोर:

- **भारत के पड़ोसी देशों के लिए कुल ₹4,320 करोड़** आवंटित (कुल योजना बजट का **64%**)।
- **बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट:**
  - **जलविद्युत संयंत्र, बिजली ट्रांसमिशन लाइनें, आवास, सड़कें, पुल, एकीकृत चेक-पोस्ट्स**।
- यह **क्षेत्रीय कूटनीति को मजबूत करने** की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

2. विदेशी सहायता आवंटन में प्रमुख बदलाव:

- **भूटान:** ₹2,150 करोड़ (**बढ़ोतरी**, ₹2,068 करोड़ से)।
- **मालदीव:** ₹600 करोड़ (**बढ़ोतरी**, ₹400 करोड़ से)।
- **अफगानिस्तान:** ₹100 करोड़ (**घटाया गया**, ₹200 करोड़ से)।
- **म्यांमार:** ₹350 करोड़ (**बढ़ोतरी**, ₹250 करोड़ से)।
- **नेपाल:** ₹700 करोड़ (**यथावत रखा गया**)।
- **श्रीलंका:** ₹300 करोड़ (**बढ़ोतरी**, ₹245 करोड़ से)।
- **बांग्लादेश:** ₹120 करोड़ (**कोई बदलाव नहीं**)।

3. अन्य क्षेत्रों के लिए आवंटन:

- **अफ्रीकी राष्ट्र:** ₹225 करोड़ (**बढ़ोतरी**, ₹200 करोड़ से)।
- **लैटिन अमेरिका:** ₹60 करोड़ (**घटाया गया**, ₹90 करोड़ से)।
- **चाबहार पोर्ट (ईरान):** ₹100 करोड़ (**यथावत रखा गया**)।

'पड़ोसी प्रथम नीति' (NFP) का महत्व

- **रणनीतिक आवश्यकता:** दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देकर बाहरी प्रभाव (जैसे चीन) को संतुलित करना और मुक्त एवं खुला इंडो-पैसिफिक सुनिश्चित करना।
- **वैश्विक शासन सुधार:** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC), अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) जैसी संस्थाओं में सुधार के लिए भारत की आवाज़ मजबूत होगी।
- **बहुपक्षीय सहयोग:** SAARC, BIMSTEC जैसी क्षेत्रीय संगठनों के माध्यम से बहुपक्षीयता को बढ़ावा देना।
- **सॉफ्ट पावर:** पड़ोसी देशों से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक पहचान और प्रभाव को मजबूत करना।
- **क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा:** आतंकवाद विरोधी अभियानों, संगठित अपराधों और अन्य सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना।
- **आर्थिक लाभ:** क्षेत्रीय व्यापार, निवेश और बुनियादी ढांचा विकास से रोजगार सृजन व आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** नेपाल व भूटान जैसे देशों की जलविद्युत क्षमता से भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना।
- **पूर्वोत्तर विकास:** भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के विकास के लिए पड़ोसी देशों के साथ संपर्क सुधारना (जैसे कलादान प्रोजेक्ट, अगरतला-अखौरा रेल लिंक)।

आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक / Index of Eight Core Industries (ICI)

संदर्भ:

आठ प्रमुख उद्योगों का **संयुक्त सूचकांक (ICI)** (आधार वर्ष: 2011-12=100) **दिसंबर 2024** में **4.0%** (अनंतिम) की वृद्धि दर्ज की, जो दिसंबर **2023** की तुलना में अधिक है।

मुख्य बिंदु:

1. **सितंबर 2024 में आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (ICI) की वृद्धि दर 2.4%** रही।
2. **अप्रैल-दिसंबर 2024-25 की संचयी वृद्धि दर 4.2% (अनंतिम आंकड़े)** रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अधिक है।

आठ प्रमुख उद्योगों (ICI) का क्षेत्रवार प्रदर्शन – दिसंबर 2024

1. **कोयला उत्पादन (10.33%) → 5.3% वृद्धि।**
2. **कच्चे तेल का उत्पादन (8.98%) → 0.6% वृद्धि।**
3. **प्राकृतिक गैस उत्पादन (6.88%) → 1.8% गिरावट।**
4. **पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (28.04%) → 2.8% वृद्धि।**
5. **उर्वरक उत्पादन (2.63%) → 1.7% वृद्धि।**
6. **इस्पात उत्पादन (17.92%) → 5.1% वृद्धि।**
7. **सीमेंट उत्पादन (5.37%) → 4.0% वृद्धि।**
8. **बिजली उत्पादन (19.85%) → 5.1% वृद्धि।**

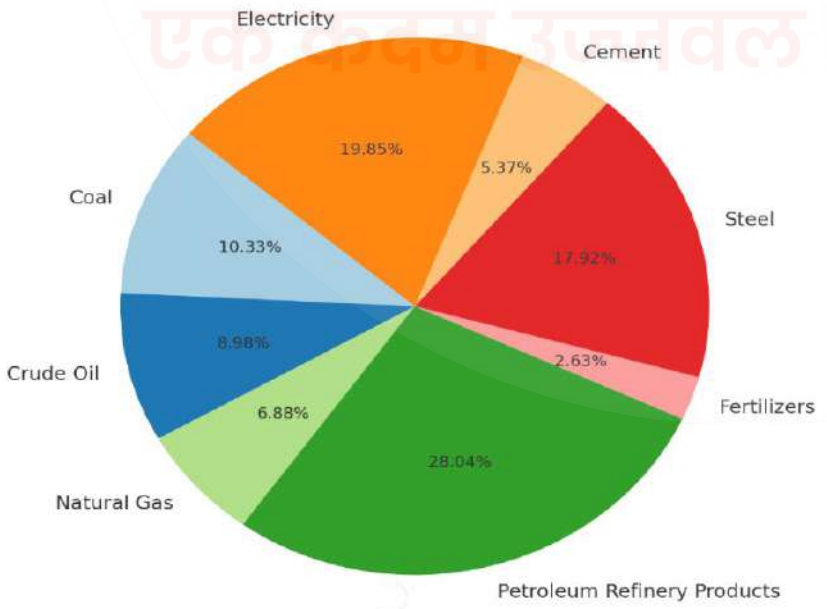

आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक (ICI) के बारे में

1. **परिभाषा:** ICI आठ प्रमुख उद्योगों **(कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट, बिजली)** के उत्पादन के **संयुक्त और व्यक्तिगत प्रदर्शन** को मापता है।
2. **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) में योगदान:** आठ प्रमुख उद्योगों का भार **IIP में 40.27%** है।
3. **प्रकाशन: आर्थिक सलाहकार कार्यालय (OEA), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT),** और **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** द्वारा **मासिक आधार पर जारी किया जाता है।**

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के बारे में

1. **संकलन और प्रकाशन: केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) 1950 से IIP संकलित और प्रकाशित कर रहा है।**
2. **गणना पद्धति:** IIP को **Laspeyre's सूत्र** के माध्यम से **भारित अंकगणितीय औसत** के रूप में संकलित किया जाता है।
3. **आधार वर्ष:**
   - **वर्तमान आधार वर्ष: 2011-12 (मूल्य = 100)।**
   - यदि **IIP = 116**, तो इसका मतलब **आधार वर्ष की तुलना में 16% वृद्धि।**

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व / Bandhavgarh Tiger Reserve

संदर्भ:

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सबसे प्रसिद्ध बाघों में से एक **'छोटा भीम'** का हाल ही में भोपाल के वन विहार में कई फ्रैक्चर के इलाज के दौरान निधन हो गया।

टाइगर भीम की संतान था छोटा भीम:

छोटा भीम, प्रसिद्ध बाघ 'भीम' की संतान था और इसकी उम्र लगभग सात वर्ष थी। उसने अपनी टेरिटरी बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के खितौली जोन में स्थापित की थी। साथ ही, यह पर्यटकों का भी पसंदीदा बाघ था।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बारे में:

1. **स्थान:**
   - **उमरिया जिला, मध्य प्रदेश**, विंध्य पर्वतमाला का हिस्सा।
   - कुल क्षेत्रफल **1,536 वर्ग किमी**।
2. **स्थापना:**
   - **1968 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया**।
   - **1993 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत टाइगर रिजर्व बनाया गया**।
3. **बांधवगढ़ किला:** **2,000 वर्ष से अधिक पुराना प्राचीन किला**, जो पार्क के अंदर एक पहाड़ी पर स्थित है।
4. **क्षेत्र विभाजन:**
   - **कोर एरिया: बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान** और **पनपथा वन्यजीव अभयारण्य**।
   - **बफर एरिया:** उमरिया, शहडोल और कटनी जिलों में फैला हुआ अधिसूचित क्षेत्र।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व: प्रमुख जानकारी

1. समीपवर्ती संरक्षित क्षेत्र:

- **दक्षिण में: कान्हा टाइगर रिजर्व**।
- **उत्तर-पूर्व में: संजय राष्ट्रीय उद्यान**।

2. भू-आकृति (Terrain):

- **ऊबड़-खाबड़ चट्टानें, घने जंगल, और खुले घास के मैदान**, जो वन्यजीवों के लिए विविध आवास बनाते हैं।

3. वनस्पति (Flora):

- **साल वन, मिश्रित पर्णपाती वन, घास के मैदान, और बांस के झुरमुट।**

4. जीव-जंतु (Fauna):

- **प्रमुख स्तनधारी प्रजातियाँ:**
  - **हिरण:** चीतल, सांभर, बार्किंग डियर (मंटजैक), चौसिंगा (चार सींग वाला मृग)।
  - **अन्य शाकाहारी:** नीलगाय (ब्लू बुल), चिंकारा (भारतीय गज़ेल), गौर।
  - **मांसाहारी:** बाघ, तेंदुआ, जंगली कुत्ता (ढोल), लकड़बग्घा, भारतीय भेड़िया, गीदड़।
  - **अन्य:** जंगली सुअर, भालू, सामान्य लंगूर, और रीसस बंदर।

5. सांस्कृतिक और पारिस्थितिक पर्यटन (Ecotourism & Cultural Importance):

- **पर्यावरणीय पर्यटन:** सतत पर्यटन (Sustainable Tourism) को बढ़ावा, जिससे संरक्षण प्रयासों और स्थानीय आजीविका को सहायता।
- **सांस्कृतिक धरोहर:** प्राचीन गुफाएँ और मंदिर, जो वन्यजीव अनुभव को सांस्कृतिक महत्व देते हैं।

6. संरक्षण प्रयास (Conservation Efforts):

- **प्रोजेक्ट टाइगर:** बंगाल टाइगर और उनके आवास की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण भाग।
- **अवैध शिकार विरोधी उपाय:** नियमित गश्त और निगरानी प्रणाली।
- **समुदाय की भागीदारी:** स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर **इको-टूरिज्म और वन्यजीव संरक्षण जागरूकता** को बढ़ावा।

इलायची की नई प्रजाति / New variety of cardamom

संदर्भ:

एक अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम ने **छह प्रजातियों** की पहचान की है, जो **एलेट्टारिया कार्डामोमम (Elettaria cardamomum),** जिसे आमतौर पर हरी इलायची के रूप में जाना जाता है, की नज़दीकी संबंधी हैं।

नई इलायची प्रजातियों की खोज:

1. **पृष्ठभूमि:**
   - हरी इलायची (*Elettaria cardamomum*) को पहले **इसके जीनस की एकमात्र प्रजाति** माना जाता था।
   - शोधकर्ताओं ने अब **इससे संबंधित छह अन्य प्रजातियों की पहचान** की।
   - इनमें से **चार प्रजातियाँ पहले अलग जीनस (*Alpinia*) में रखी गई थीं**।
2. **नई खोज:**
   - **केरल के पश्चिमी घाट में दो नई प्रजातियाँ खोजी गईं:**
     - **Elettaria facifera**
     - **Elettaria tulipifera**

भौगोलिक वितरण:

- **Elettaria facifera → पेरियार टाइगर रिजर्व, इडुक्की जिला।**
- **Elettaria tulipifera → अगस्त्यमलाई हिल्स (तिरुवनंतपुरम) और मुन्नार (इडुक्की)।**

विशेष विशेषताएँ:

- **Elettaria facifera:**
  - इसका फल **खुले-मुँह के आकार का** होता है।
  - **मन्नान जनजाति** इसे **'वाई नोकी एलम'** कहती है।
- **Elettaria tulipifera:**
  - इसकी **ट्यूलिप के आकार की फूल संरचना** होती है।
  - इसमें **बड़े, लाल रंग के ब्रैक्ट्स** पाए जाते हैं।

इलायची (Cardamom) के बारे में

1. **परिचय:**
   - **"मसालों की रानी"** के रूप में प्रसिद्ध।
   - वैज्ञानिक नाम: *Elettaria cardamomum*।
   - **जिंजिबेरेसी (Zingiberaceae) परिवार** से संबंधित एक सुगंधित मसाला।
2. **उत्पत्ति और उत्पादन क्षेत्र:**
   - **पश्चिमी घाट के सदाबहार वर्षा वनों का मूल निवासी**।
   - भारत में मुख्य रूप से **केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु** में खेती होती है।

इलायची की खेती के लिए आवश्यक जलवायु:

- **वर्षा:** 1500–4000 मिमी प्रति वर्ष।
- **तापमान:** 10°C से 35°C।
- **ऊँचाई:** 600–1500 मीटर समुद्र तल से ऊपर।
- **मिट्टी:** अम्लीय (pH 5.0–6.5), दोमट (loamy) और ह्यूमस-समृद्ध वन मिट्टी।

राज्यवार उत्पादन:

1. **केरल:** भारत के कुल उत्पादन का **58% योगदान**।
   - प्रमुख उत्पादक क्षेत्र: **इडुक्की जिला**।
2. **कर्नाटक:** मुख्य रूप से **कोडागु और चिकमंगलूर जिलों** में उत्पादन।
3. **तमिलनाडु: नीलगिरि पहाड़ियों** में खेती की जाती है।

नई इलायची प्रजातियों की खोज का महत्व

1. **जैव विविधता संरक्षण: पश्चिमी घाट की समृद्ध वनस्पति** को उजागर करता है, जो एक **वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट** है।
2. **आनुवंशिक संसाधन: नई इलायची किस्मों के विकास** की संभावनाएँ, जिनमें **रोग प्रतिरोधक क्षमता और अधिक उपज** जैसे बेहतर गुण हो सकते हैं।
3. **आर्थिक प्रभाव: भारत के इलायची उत्पादन और निर्यात को मजबूती**, जिससे भारत की **वैश्विक प्रतिस्पर्धा (ग्वाटेमाला के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश)** में बढ़ोतरी हो सकती है।

कोल्लेरु आर्द्रभूमि क्षेत्र / Kolleru Wetland Area

संदर्भ:

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने **आंध्र प्रदेश सरकार** को **कोल्लेरु आर्द्रभूमि क्षेत्र में** छह बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर आगे बढ़ने से रोक दिया है।

कोल्लेरु झील के बारे में:

1. **भौगोलिक स्थिति:**
   - **पूर्वोत्तर आंध्र प्रदेश** में स्थित एक **प्राकृतिक, उथली, मीठे पानी की झील**।
   - **कृष्णा और गोदावरी डेल्टा के बीच, एलुरु शहर** के पास स्थित।

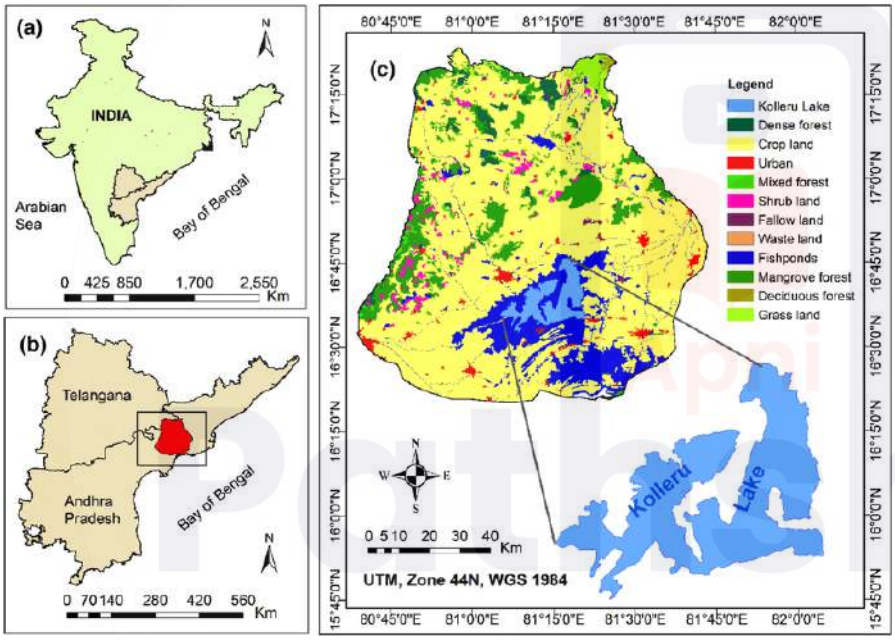

विशेषताएँ:

- **एशिया की सबसे बड़ी उथली मीठे पानी की झील**।
- कुल क्षेत्रफल **308 वर्ग किमी**।
- **कृष्णा और गोदावरी नदियों के बाढ़ नियंत्रण जलाशय** के रूप में कार्य करती है।
- **उप्पुतेरु नदी** के माध्यम से **बंगाल की खाड़ी में प्रवाहित** होती है।
- कभी-कभी **हल्का खारा पानी** इस झील में प्रवेश कर जाता है।

संरक्षण स्थिति:

- **1999 में वन्यजीव अभयारण्य घोषित**।
- **2002 में रामसर स्थल के रूप में मान्यता**।

पक्षी विविधता और प्रवास मार्ग:

- **50,000 से अधिक जलपक्षियों का वासस्थान**, इसलिए **महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्र (IBA)** घोषित।
- **सेंट्रल एशियन फ्लाईवे (CAF)** प्रवासी मार्ग पर स्थित।
- **मुख्य पक्षी प्रजातियाँ: साइबेरियन क्रेन, पेलिकन, पेंटेड स्टॉर्क**

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) के बारे में:

1. **स्थापना:**
   - **2010 में राष्ट्रीय हरित अधिकरण अधिनियम, 2010** के तहत स्थापित।
   - **पर्यावरण संरक्षण, वन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जुड़े मामलों के त्वरित निपटारे के लिए।**
2. **विशेषता:**
   - यह एक **विशेषीकृत निकाय** है, जो **बहु-अनुशासनात्मक पर्यावरणीय विवादों** को हल करने की विशेषज्ञता रखता है।
   - **दिवानी प्रक्रिया संहिता, 1908 (CPC) से बंधा नहीं**, बल्कि **प्राकृतिक न्याय (Natural Justice) के सिद्धांतों** द्वारा संचालित होता है।
   - **केस दर्ज होने के 6 महीने के भीतर निपटारा करने का प्रावधान।**
3. **मुख्य कार्यालय और क्षेत्रीय पीठ:**
   - **मुख्य कार्यालय: नई दिल्ली**।
   - अन्य **चार क्षेत्रीय पीठ: भोपाल, पुणे, कोलकाता और चेन्नई।**
4. **संरचना (Composition):**
   - **अध्यक्ष:** सेवानिवृत्त **सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश**।
   - **न्यायिक सदस्य:** सेवानिवृत्त **उच्च न्यायालय न्यायाधीश**।
   - **विशेषज्ञ सदस्य:** पर्यावरण या वन संरक्षण से जुड़े क्षेत्र में **कम से कम 15 वर्षों का अनुभव रखने वाले पेशेवर**।

गिग वर्कर्स को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत कवर किया जाएगा / Gig Workers to be covered under PM Jan Arogya Yojana

संदर्भ:

केंद्रीय वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि अब गिग वर्कर्स (gig workers) **आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY)** के तहत स्वास्थ्य लाभ के पात्र होंगे।

गिग वर्कर्स के बारे में:

1. **परिभाषा:**
   - **अल्पकालिक और लचीले कार्यों में संलग्न व्यक्ति**, जो पारंपरिक दीर्घकालिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों से बाहर होते हैं।
   - **अनौपचारिक क्षेत्र** में कार्य करते हैं और **कार्य-आधारित आय अर्जित करते हैं**।
2. **उदाहरण:**
   - **प्लेटफ़ॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स:**
     - **फूड डिलीवरी:** Zomato, Swiggy।
     - **ई-कॉमर्स:** Amazon, Flipkart।

स्वास्थ्य बजट 2024-25: प्रमुख बिंदु

1. **बजट आवंटन में वृद्धि:**
   - स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए **₹9,000 करोड़ की बढ़ोतरी**।
   - **अवसंरचना विकास, आयुष्मान भारत, और AIIMS दिल्ली के लिए वित्त पोषण।**
2. **जन आरोग्य योजना:**
   - प्रति परिवार **₹5 लाख तक का वार्षिक बीमा कवरेज**।
   - **सार्वजनिक और निजी सूचीबद्ध अस्पतालों में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती की सुविधा**।
3. **गिग वर्कर्स के परिवारों पर अनिश्चितता:**
   - **क्या गिग वर्कर्स के परिवार योजना के तहत कवर होंगे, इस पर स्पष्ट जानकारी अभी नहीं दी गई है।**

भारत और गिग अर्थव्यवस्था

1. **वर्तमान परिदृश्य (2020):** **7.7 मिलियन (77 लाख) श्रमिक** गिग अर्थव्यवस्था में कार्यरत।
2. **भविष्य की संभावनाएँ (2029-30):** गिग कार्यबल **23.5 मिलियन (2.35 करोड़) तक पहुँचने की उम्मीद**, जो **कुल कार्यबल का 4.1% होगा**।
3. **गिग कार्यबल का कौशल वितरण:**
   - **47% – मध्यम कौशल (Medium-skilled)**
   - **22% – उच्च कौशल (High-skilled)**
   - **31% – निम्न कौशल (Low-skilled)**
4. **आर्थिक योगदान:**
   - **2030 तक भारत के GDP में 1.25% तक वृद्धि** की क्षमता।
   - **दीर्घकालिक रूप में 90 मिलियन (9 करोड़) नौकरियाँ उत्पन्न करने की संभावना।**

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के लाभ

1. **बीमा कवरेज:**
   - प्रति परिवार **₹5 लाख प्रति वर्ष** का **परिभाषित लाभ कवर**।
   - **लगभग सभी माध्यमिक (Secondary) और अधिकांश तृतीयक (Tertiary) चिकित्सा प्रक्रियाएँ शामिल**।
2. **पात्रता मानदंड:**
   - **यह एक अधिकार-आधारित योजना** है।
   - पात्रता **सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC) डेटाबेस में निर्धनता मानदंड के आधार पर तय** होती है।
3. **अस्पताल कवरेज:**
   - **सार्वजनिक और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों** में उपचार की सुविधा।
   - AB-PMJAY लागू करने वाले राज्यों के **सभी सार्वजनिक अस्पताल स्वचालित रूप से सूचीबद्ध (Empanelled) माने जाएंगे।**
4. **अस्पताल में भर्ती से पहले और बाद के खर्च:** **उपचार से पहले और बाद के खर्चों को शामिल किया गया है।**
5. **पहले से मौजूद बीमारियाँ (Pre-existing Conditions):** **पहले से मौजूद सभी बीमारियाँ पहले दिन से कवर होंगी।**
6. **कैशलेस लाभ:** **देशभर में किसी भी सूचीबद्ध अस्पताल में कैशलेस उपचार की सुविधा।**

भारतीय रुपया (INR) में तेज़ गिरावट / Sharp fall in Indian Rupee (INR)

संदर्भ:

भारतीय रुपया (INR) में **तेज़ गिरावट** देखी गई है, जो अमे**रिकी डॉलर के मुकाबले 87 के स्तर को पार** कर गया है। यह वैश्विक आर्थिक बदलावों और घरेलू वित्तीय चिंताओं का संकेत देता है।

रुपये के अवमूल्यन के प्रमुख कारण:

1. अमेरिकी डॉलर की मजबूती:

- **डॉलर इंडेक्स** 1.24% बढ़कर **109.84** पर पहुंच गया, जिससे अमेरिकी डॉलर की छह प्रमुख विदेशी मुद्राओं के मुकाबले मजबूती दर्शाती है।
- इसके परिणामस्वरूप, भारतीय रुपया गिरकर **87.19** पर बंद हुआ, जो बजट पेश होने के बाद पहले ट्रेडिंग दिन **86.62** से **55 पैसे** नीचे था।

2. व्यापार घाटे में वृद्धि:

- **कच्चे तेल के आयात** में वृद्धि से व्यापार घाटा बढ़ा है।
- चालू वित्त वर्ष (FY25) में व्यापार घाटा **$188 बिलियन** तक पहुंच गया है और FY24 की तुलना में **18% अधिक** होने की संभावना है, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ा है।

3. विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) की बिकवाली:

- **अक्टूबर 2024** से FIIs भारतीय बाजारों में लगातार **बिक्री कर रहे हैं**।
- FY25 की **तीसरी तिमाही में FII की कुल शुद्ध बिकवाली $11 बिलियन** रही, जिससे रुपये को अतिरिक्त नुकसान हुआ।

4. भारत में उच्च मुद्रास्फीति:

- **बढ़ती महंगाई** रुपये की क्रय शक्ति को कम कर देती है, जिससे उसका मूल्य घटता है।

रुपये के अवमूल्यन का प्रभाव:

नकारात्मक प्रभाव:

- महंगे आयात: कमजोर रुपया आयात को महंगा बना देता है, खासकर कच्चे तेल के लिए।
- व्यापार घाटे में वृद्धि: महंगे आयात से व्यापार घाटा और बढ़ता है।
- अन्य प्रभाव: विदेशी ऋण महंगा हो जाता है, और मुद्रास्फीति (महंगाई) पर दबाव बढ़ता है।

सकारात्मक प्रभाव:

- **निर्यात को बढ़ावा:** रुपये की कमजोरी से भारतीय वस्तुएं और सेवाएं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सस्ती हो जाती हैं, जिससे निर्यात को फायदा होता है।
- **विदेशी प्रेषण (Remittance) में वृद्धि:** NRI द्वारा भेजे गए पैसे की मूल्यवृद्धि होती है, जिससे भारत में अधिक धन प्रवाहित होता है।

रुपये को स्थिर करने के उपाय:

1. **प्रत्यक्ष डॉलर बिक्री:** बाजार में डॉलर की आपूर्ति बढ़ाने के लिए RBI डॉलर बेच सकता है, जिससे रुपये का मूल्य मजबूत हो सकता है।
2. **विदेशी मुद्रा स्वैप (Forex Swaps):** RBI "बाय-सेल स्वैप" का उपयोग कर सकता है, जिससे बिना ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार खर्च किए डॉलर की तरलता को नियंत्रित किया जा सकता है।
3. **विदेशी निवेश आकर्षित करना:** FDI और पोर्टफोलियो निवेश को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन (जैसे टैक्स लाभ) दिए जा सकते हैं, जिससे डॉलर की आमद बढ़ेगी और रुपये को समर्थन मिलेगा।

निष्कर्ष

- रुपये का डॉलर के मुकाबले **ऐतिहासिक न्यूनतम स्तर पर अवमूल्यन भारतीय अर्थव्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता** को दर्शाता है।
- रुपये के अवमूल्यन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए **रणनीतिक राजकोषीय और मौद्रिक नीतियाँ, साथ ही बुनियादी ढांचे और व्यापार सुधारों** की आवश्यकता है।

अरुणाचल प्रदेश ने 32 वर्षों में 110 ग्लेशियर खो दिए / Arunachal loses 110 Glaciers in 32 years

संदर्भ:

हालिया अध्ययन में खुलासा हुआ है कि **अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी हिमालय** में **32 वर्षों (1988-2020) के दौरान 110 ग्लेशियर गायब** हो चुके हैं। यह ग्लेशियरों के तेज़ी से पिघलने को दर्शाता है, जो क्षेत्र की जल प्रणाली और जलवायु पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है।

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष:

1. **शोध और तकनीकी उपयोग:**
   - यह अध्ययन **नागालैंड विश्वविद्यालय** और **कॉटन विश्वविद्यालय** के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया था, जिसमें **रिमोट सेंसिंग और GIS तकनीकी** का उपयोग करके ग्लेशियर की सीमाओं का पता लगाया गया।
2. **ग्लेशियर की संख्या में कमी:**
   - अरुणाचल प्रदेश में अध्ययन के दौरान ग्लेशियरों की संख्या **756 से घटकर 646** हो गई।
3. **ग्लेशियर कवर में कमी:**
   - कुल ग्लेशियर क्षेत्र **585.23 वर्ग किमी से घटकर 309.85 वर्ग किमी** हो गया, जो **47% से अधिक** की कमी को दर्शाता है।
4. **ग्लेशियरों का स्थान और स्थिति:**
   - अधिकांश ग्लेशियर **4,500–4,800 मीटर** की ऊंचाई पर स्थित हैं, जो **उत्तर की दिशा में** हैं और **15°–35°** के ढलान पर स्थित हैं।
5. **ग्लेशियर के नुकसान के परिणाम:**
   - इस तेजी से हो रहे ग्लेशियर नुकसान ने **बेडरॉक को उजागर** किया है और **ग्लेशियर झीलों** का निर्माण किया है, जो **ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स (GLOFs)** के जोखिम को बढ़ा रहे हैं।

ग्लेशियर की पीछे हटने की प्रक्रिया (Glacial Retreat):

ग्लेशियर की पीछे हटना उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसमें **ग्लेशियरों का आकार घटता है क्योंकि उनकी बर्फ तेजी से पिघलने लगती है, जबकि नई बर्फ की मात्रा कम होती है।** यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख संकेतक है और यह विशेष रूप से हिमालय जैसे उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में चिंताजनक दर पर हो रहा है।

ग्लेशियर की पीछे हटने के कारण:

1. **जलवायु परिवर्तन (Climate Change):** वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण बर्फ का पिघलना बढ़ गया है, जो **बर्फ की जमावट** से अधिक है।
2. **वृष्टि के पैटर्न में परिवर्तन (Changes in Precipitation Patterns):** असामान्य बर्फबारी और **कम सर्दी वृष्टि** से ग्लेशियरों का विकास धीमा हो जाता है।
3. **ब्लैक कार्बन का जमाव (Black Carbon Deposition):** मानवीय गतिविधियों से प्रदूषक ग्लेशियरों पर जमते हैं, जो अधिक गर्मी को अवशोषित करते हैं और **पिघलने की प्रक्रिया को तेज** करते हैं।
4. **भौतिक कारक (Geological Factors):** ढलान, ऊंचाई, और चट्टानों के प्रकार जैसे **भौगोलिक कारक** ग्लेशियरों के गर्म होने पर उनके प्रतिक्रिया को प्रभावित करते हैं।

ग्लेशियर की पीछे हटने का प्रभाव:

1. **ताजे पानी का संकट (Freshwater Crisis):** पीछे हटते हुए ग्लेशियर पानी की उपलब्धता और वितरण को गंभीर रूप से प्रभावित करेंगे, जिससे **कृषि** और **पीने के पानी की आपूर्ति** पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।
2. **GLOF (ग्लेशियर झीलों से बाढ़) का बढ़ता जोखिम (Increased GLOF Risk):** ग्लेशियरों की झीलों का निर्माण **प्राकृतिक बाढ़ों के खतरे** को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, **2023 सिक्किम आपदा** में कम से कम **55 लोगों की मौत** हुई और एक **1,200 MW हाइड्रोपावर परियोजना** को नष्ट कर दिया।
3. **इकोसिस्टम में व्यवधान (Ecosystem Disruptions):** तापमान और वृष्टि पैटर्न में बदलाव से **इकोसिस्टम अस्थिर** हो सकते हैं, जिससे **जैव विविधता** पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस / International Big Cat Alliance

संदर्भ:

अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (IBCA) की स्थापना संबंधी रूपरेखा समझौता (Framework Agreement) आधिकारिक रूप से लागू हो गया है।

अंतर-सरकारी बिग कैट संरक्षण गठबंधन (IBCA):

परिचय:

यह **अंतर-सरकारी संगठन** वैश्विक स्तर पर **बड़ी बिल्लियों (Big Cats) के संरक्षण** को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। इसे **9 अप्रैल 2023** को प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** द्वारा लॉन्च किया गया था, जो **प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष** पूरे होने का प्रतीक भी है। पांच संस्थापक देशों ने **फ्रेमवर्क समझौते** पर हस्ताक्षर किए, जिससे वन्यजीव संरक्षण में एक नया मील का पत्थर जुड़ा।

- **मुख्यालय:** भारत
- **सदस्य देश: 95 देशों** का बहु-देशीय और बहु-एजेंसी गठबंधन, जिसमें **बड़ी बिल्ली (Big Cats) रेंज वाले और गैर-रेंज देश** शामिल हैं।

गठन और सदस्यता:

- **IBCA का गठन** भारत सरकार की **मंत्रिमंडल समिति द्वारा 29 फरवरी 2024** को अनुमोदित किया गया।
- इसका **मुख्यालय भारत में स्थित है**।
- प्रारंभ में **पांच देशों** ने औपचारिक सदस्यता ली: **निकारागुआ, इस्वातिनी, सोमालिया और लाइबेरिया**।
- वर्तमान में **27 देश इस गठबंधन में शामिल होने की इच्छा जता चुके हैं**।

संरक्षित प्रजातियाँ (Species Covered)

IBCA सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण पर केंद्रित है:

- टाइगर, शेर, तेंदुआ, हिमतेंदुआ, चीता, जगुआर, प्यूमा

भारत में पाई जाने वाली पाँच प्रजातियाँ:

- **टाइगर, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता**

जगुआर और प्यूमा भारत में नहीं पाए जाते।

बड़ी बिल्लियों (big cats) की सुरक्षा का महत्व:

- **पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बनाए रखना**
- **स्वस्थ जैव विविधता के संकेतक**
- **जलवायु परिवर्तन शमन में सहायता**
- **सांस्कृतिक महत्व रखना**

वित्तीय सहायता और संरक्षण पहल:

- **IBCA का लक्ष्य** बड़ी बिल्लियों की आबादी में गिरावट को रोकना और नकारात्मक रुझानों को पलटना है।
- यह **वित्तीय सहायता** के माध्यम से **संरक्षण एजेंडा को मजबूत** करेगा।
- गठबंधन मौजूदा **अंतर-सरकारी मंचों और प्रजाति संरक्षण नेटवर्कों** को और सशक्त करेगा।

वैश्विक संरक्षण प्रयासों पर प्रभाव:

- **भारत के नेतृत्व में**, IBCA वैश्विक वन्यजीव संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- यह **सदस्य देशों के बीच ज्ञान और संसाधनों के आदान-प्रदान को बढ़ावा** देगा।
- यह **सामूहिक दृष्टिकोण** वैश्विक स्तर पर बड़ी बिल्लियों के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक है।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

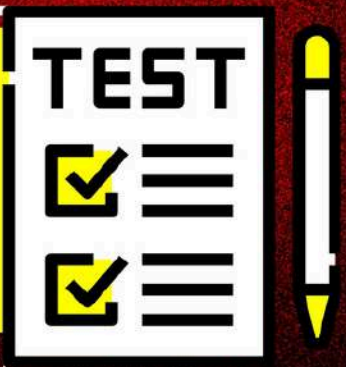

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala 7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !